SYLLABI AND SCHEME OF EXAMINATIONS
FOR
MASTER OF ARTS (SANSKRIT)
(Based on Curriculum and Credit Framework as per NEP 2020)

With effect from the Academic Session 2025-26

CENTRE FOR DISTANCE AND ONLINE EDUCATION
MAHARSHI DAYANAND UNIVERSITY
ROHTAK (HARYANA)

Scheme of Examinations
MASTER OF ARTS (SANSKRIT)

Type of Course	Nomenclature of Course	Course Code	Total Credits	Assignment Marks	Term End Examination (Theory) Marks	Total Marks
Semester I (2025-26 Onwards)						
DSC 1	वेद एवं वेदाङ्ग	25SKT201DS01OD	04	30	70	100
DSC 2	संस्कृत व्याकरण-1	25SKT201DS02OD	04	30	70	100
DSC 3	सांख्य एवं न्याय	25SKT201DS03OD	04	30	70	100
DSC 4	पद्य साहित्य	25SKT201DS04OD	04	30	70	100
DSC 5	भाषा विज्ञान	25SKT201DS05OD	04	30	70	100
SEC1	वैदिक कर्मानुष्ठान पद्धति	25SKT201SE01OD	04	30	70	100
Semester II (2025-26 Onwards)						
DSC 6	ब्राह्मण एवं उपनिषद्	25SKT202DS01OD	04	30	70	100
DSC 7	संस्कृत व्याकरण-2	25SKT202DS02OD	04	30	70	100
DSC 8	वेदान्त एवं मीमांसा	25SKT202DS03OD	04	30	70	100
DSC 9	मृच्छकटिकम् एवं साहित्यदर्पण	25SKT202DS04OD	04	30	70	100
DSC 10	अनुवाद एवं निबन्ध	25SKT202DS05OD	04	30	70	100
SEC 2	वैदिक संस्कार पद्धति	25SKT202SE01OD	04	30	70	100

Type of Course	Nomenclature of Course	Course Code	Total Credits	Assignment Marks	Term End Examination (Theory) Marks	Total Marks
Semester III (2026-27 Onwards)						
DSC 11	संस्कृति एवं धर्मशास्त्र	26SKT203DS01OD	04	30	70	100
DSC 12	लौकि संस्कृत साहित्य का इतिहास	26SKT203DS10OD	04	30	70	100
DSC 13	नाट्यशास्त्र	26SKT203DS11OD	04	30	70	100
DSC 14	नाटक	26SKT203DS12OD	04	30	70	100
DSC 15	काव्यशास्त्र – 1	26SKT203DS13OD	04	30	70	100
SEC 3	ज्योतिष शास्त्र के आधारभूत तत्त्व	26SKT203SE01OD	04	30	70	100
Semester IV (2026-27 Onwards)						
DSC 16	पालि एवं प्राकृत	26SKT204DS01OD	04	30	70	100
DSC 17	काव्यशास्त्र – 2	26SKT204DS10OD	04	30	70	100
DSC 18	संस्कृत महाकाव्य	26SKT204DS11OD	04	30	70	100
DSC 19	संस्कृत गद्य	26SKT204DS12OD	04	30	70	100
DSC 20	आधुनिक संस्कृत साहित्य	26SKT204DS13OD	04	30	70	100
SEC 4	आयुर्वेद के आधारभूत तत्त्व	26SKT204SE01OD	04	30	70	100

SEMESTER - I

Semester 1st

Name of Program	Master of Arts (Sanskrit)	Program Code	
Name of the Course	वेद एवं वेदाङ्ग	Course Code	25SKT201DS01OD
Maximum Marks	100 Theory – 70 Assignments - 30	Credits	4
		Time of Examinations	3 Hours

Course Learning Outcomes (CLO):
On successful completion of this course, the students will we able to:
CLO 1: Learn the nature and structure of Vedic language.
CLO 2: Gain adequate knowledge of Vedic culture and society.
CLO 3: Understand the philosophical thoughts of Vedic Seers.
CLO 4: Understand the subject matter of some important hymns of Rigveda.
CLO 5: Learn the ancient Indian techniques to understand meanings of Vedic words through Nirukta written by Maharshi Yaska.

Unit 1:
ऋक् सूक्त – अग्नि (1.1) 2. विष्णु (1.154) 3. इन्द्र (2.12) 4. रुद्र (2.33) 5. उषस् (3.61) 6. पर्जन्य (5.83).

Unit 2:
ऋक् सूक्त–सोम (8.48) 2. अक्ष (10.34) 3. पुरुष (10.90) 4. हिरण्यगर्भ (10.121) 5. वाक् (10.125) 6. नासदीय (10.129).

Unit 3:
निरुक्त अध्याय (1-2)

Unit 4:
(क) वैदिक सन्धि, शब्दरूप, धातुरूप।
(ख) वैदिक स्वर (सौवर – महर्षिदयानन्दः) एवं पदपाठ

दिशा-निर्देश –
प्रथम प्रश्न अनिवार्य है, इसमें सम्पूर्ण पाठ्यक्रम में से 7 वस्तुनिष्ठ प्रश्न पूछे जाएंगे। 7×2 = 14

शेष प्रश्नों के निर्देश अधोलिखित हैं –

यूनिट– 1
(क)चार में से दो मंत्रों की व्याख्या 2×4= 08
(ख) दो में से एक प्रश्न 1×6 = 6

यूनिट - 2
(क)चार में से दो मंत्रों की व्याख्या 2×4= 08
(ख) दो में से एक प्रश्न 1×6 = 6

यूनिट - 3
(क) 4 में से 2 की व्याख्या 2 ×5 =10
(ख) 6 में से 4 निर्वचन 4 ×1= 4

यूनिट– 4
(क) 8 में से 4 सन्धि अथवा रूपों का विवेचन 4 ×2= 8
(ख)4 में से 2 सूत्रों की व्याख्या अथवा 4 में से 2 स्वर एवं पदपाठ सम्बन्धी टिप्पणी 2×3= 6

References:

1. ऋक् सूक्त सङ्ग्रह – कृष्ण कुमार एवं हरिदत्त शास्त्री, साहित्य भण्डार सुभाष बाजार-मेरठ
2. यास्क प्रणीतं निरुक्तम् –कपिल देव शास्त्री, साहित्य भण्डार, सुभाष बाजार, मेरठ
3. वैदिक व्याकरण – डॉ. रामगोपाल
4. वैदिक ग्रामर – अनुवादक- डॉ. सत्यव्रत।

Semester 1st

Name of Program	Master of Arts (Sanskrit)	Program Code	
Name of the Course	संस्कृत व्याकरण - 1	Course Code	25SKT201DS02OD
Maximum Marks	100 Theory – 70 Assignments - 30	Credits	4
		Time of Examinations	3 Hours

Course Learning Outcomes (CLO):
On successful completion of this course, the students will we able to:
CLO 1: Understand the characteristics of Sanskrit grammar through Laghusidhantkaumudi.
CLO 2: Understand the different forms of Sanskrit Words.
CLO 2: Understand the basic structure of Sanskrit language through Panini grammar with special reference to Sandhi, Stripratyaya, Subanta.

Unit 1:
लघुसिद्धान्तकौमुदी – संज्ञा, सन्धि व स्त्रीप्रत्यय प्रकरण

Unit 2:
लघुसिद्धान्तकौमुदी – अजन्त सुबन्त –
पु. – राम, सर्व, विश्वपा, हरि, सखि, प्रधी, सुधी, शम्भु, क्रोष्टु, खलपू, गो, रै
स्त्री. – रमा, सर्वा, मति, त्रि, स्त्री, धेनु
नपु. – ज्ञान, वारि, दधि, सुधी, प्रधौ

Unit 3:
लघुसिद्धान्तकौमुदी – हलन्त सुबन्त –
पु. – लिह्, दुह्, विश्ववाह्, चतुर्, अनडुह्, किम्, इदम्, तत्, राजन्, मघवन्, पथिन्, युष्मद् अस्मद्, प्राच्, धीमत्, विद्वस्, अदस्
स्त्री. – चतुर्, किम्, इदम्, अदस्, तत्
नपु. – तत्, किम्, इदम्, तुदत्, दीव्यत्

Unit 4:
लघुसिद्धान्तकौमुदी समास – अव्ययीभाव, तत्पुरुष, बहुव्रीहि, द्वन्द्व

दिशा-निर्देश –
प्रथम प्रश्न अनिवार्य है, इसमें सम्पूर्ण पाठ्यक्रम में से 7 वस्तुनिष्ठ प्रश्न पूछे जाएंगे। $7\times2 = 14$

शेष प्रश्नों के निर्देश अधोलिखित हैं –

यूनिट- 1
(क) 5 में से 2 रूपों की सिद्धि $2\times4 = 08$
(ख) 5 में से 3 सूत्रों की सोदाहरण व्याख्या $3\times2 = 06$

यूनिट- 2
(क) 5 में से 2 रूपों की सिद्धि $2\times4 = 08$
(ख) 5 में से 3 सूत्रों की सोदाहरण व्याख्या $3\times2 = 06$

यूनिट- 3
(क) 5 में से 2 रूपों की सिद्धि $2\times4 = 08$
(ख) 5 में से 3 सूत्रों की सोदाहरण व्याख्या $3\times2 = 06$

यूनिट- 4 (क) 5 में से 2 रूपों की सिद्धि 2×4 = 08 (ख) 5 में से 3 सूत्रों की सोदाहरण व्याख्या 3×2 = 06
References: 1. लघु सिद्धान्तकौमुदी, व्याख्याकार – धरानन्द शास्त्री 2. लघु सिद्धान्तकौमुदी, व्याख्याकार – महेशसिंह कुशवाहा 3. लघु सिद्धान्तकौमुदी, व्याख्याकार – ईश्वर सिंह 4. लघु सिद्धान्तकौमुदी, व्याख्याकार – भीमसेन शास्त्री 5. लघु सिद्धान्तकौमुदी, व्याख्याकार – डॉ. सत्यपाल सिंह

<table>
<tr><td>Name of Program</td><td>Master of Arts (Sanskrit)</td><td>Program Code</td><td></td></tr>
<tr><td>Name of the Course</td><td>सांख्य एवं न्याय</td><td>Course Code</td><td>25SKT201DS03OD</td></tr>
<tr><td rowspan="2">Maximum Marks</td><td rowspan="2">100
Theory – 70
Assignments - 30</td><td>Credits</td><td>4</td></tr>
<tr><td>Time of Examinations</td><td>3 Hours</td></tr>
<tr><td colspan="4">Course Learning Outcomes (CLO):
On successful completion of this course, the students will we able to:
CLO 1: Understand the subject matter of Sankhya Karika and Tarkbhasha.
CLO 2: Understand the metaphysics of Sankhya philosophy.
CLO 3: Understand the fundamental of Nyaya philosophy.
CLO 4: Develop the ability to critically analyse the foundational principles, key concepts and epistemological approaches of both philosophical schools.
CLO 5: Compare the concepts of Sankhya and Nyaya philosophy.</td></tr>
<tr><td colspan="4">Unit 1:
सांख्यकारिका, ईश्वरकृष्ण (1-26 कारिका)</td></tr>
<tr><td colspan="4">Unit 2:
सांख्यकारिका, ईश्वरकृष्ण (27-72 कारिका)</td></tr>
<tr><td colspan="4">Unit 3:
तर्कभाषा, केशवमिश्र (प्रारम्भ से प्रत्यक्ष प्रमाण तक)</td></tr>
<tr><td colspan="4">Unit 4:
तर्कभाषा, केशवमिश्र (अनुमान प्रमाण से प्रामाण्यवाद तक)</td></tr>
<tr><td colspan="4">दिशा-निर्देश –
प्रथम प्रश्न अनिवार्य है, इसमें सम्पूर्ण पाठ्यक्रम में से 7 वस्तुनिष्ठ प्रश्न पूछे जाएंगे। 7×2 = 14
शेष प्रश्नों के निर्देश अधोलिखित हैं –
यूनिट- 1
(क) 4 में से 2 कारिकाओं की व्याख्या 2×4 = 08
(ख) 2 में से एक सैद्धान्तिक प्रश्न 1×6 = 06
यूनिट- 2
(क) 4 में से 2 कारिकाओं की व्याख्या 2×4 = 08
(ख) 2 में से एक सैद्धान्तिक प्रश्न 1×6 = 06
यूनिट- 3
(क) 4 में से 2 सन्दर्भों की व्याख्या 2×4 = 08
(ख) 2 में से एक सैद्धान्तिक प्रश्न 1×6 = 06
यूनिट- 4
(क) 4 में से 2 सन्दर्भों की व्याख्या 2×4 = 08
(ख) 2 में से एक सैद्धान्तिक प्रश्न 1×6 = 06</td></tr>
<tr><td colspan="4">References:
1. सांख्यकारिका, व्याख्या गजानन मुसलगावकर
2. सांख्यकारिका, व्या. रामकृष्ण आचार्य
3. सांख्यकारिका, व्याख्या - -ब्रजमोहन चतुर्वेदी
4. सांख्यकारिका, व्याख्या - -एच0 एस0 विल्सन
5. सांख्यसिद्धान्त व्या. आचार्य उदयवीर शास्त्री
6. सांख्यदर्शन का इतिहास, आचार्य उदयवीर शास्त्री</td></tr>
</table>

7. तर्कभाषा, व्या.डॉ. श्रीनिवास शास्त्री
8. तर्कभाषा, व्या. -आचार्य विश्वेश्वर
9. तर्कभाषा, व्या. आचार्य बद्रीनाथ शुक्ल।
10. भारतीय न्यायशास्त्र एक अध्ययन, ब्रह्ममित्र अवस्थी।
11. भारतीय दर्शन - राधाकृष्णनन्
12- Classical Samkhya – G.J. Larson.

Name of Program	Master of Arts (Sanskrit)	Program Code	
Name of the Course	पद्य साहित्य	Course Code	25SKT201DS04OD
Maximum Marks	100 Theory – 70 Assignments - 30	Credits	4
		Time of Examinations	3 Hours

Course Learning Outcomes (CLO):

On successful completion of this course, the students will we able to:

CLO 1: Read and understand the poetry of Kalidasa, Ashwaghosh and Magh.

CLO 2: Acquire the ability to examine critically the various aspects of Sanskrit poetry.

CLO 3: Able to acquire the knowledge of the characteristics of Sanskrit poetry.

CLO 4: Understand the theme, characterization, literary style, cultural and historical significance through the study of Meghdoot written by Kalidasa.

CLO 5: Understand themes, characterization and literary styles of Magh and Ashvaghosh through the study of Shisupalavadham and Buddhacharitam respectively.

Unit 1:

कालिदासकृत मेघदूतम् (पूर्वमेघ)

Unit 2:

कालिदासकृत मेघदूतम् (उत्तरमेघ)

Unit 3:

माघकृत शिशुपालवधम् (प्रथम सर्ग)

Unit 4:

अश्वघोषकृत बुद्धचरितम्(तृतीय सर्ग)

दिशा-निर्देश –

प्रथम प्रश्न अनिवार्य है, इसमें सम्पूर्ण पाठ्यक्रम में से 7 वस्तुनिष्ठ प्रश्न पूछे जाएंगे। 7×2 = 14

शेष प्रश्नों के निर्देश अधोलिखित हैं –

यूनिट- 1

(क) 4 में से 2 श्लोकों की व्याख्या 2×5 = 10

(ख) 2 में से 1 टिप्पणी 1×4 = 04

यूनिट- 2

(क) 4 में से 2 श्लोकों की व्याख्या 2×5 = 10

(ख) 2 में से 1 टिप्पणी 1×4 = 04

यूनिट- 3

(क) 4 में से 2 श्लोकों की व्याख्या 2×5 = 10

(ख) 2 में से 1 टिप्पणी 1×4 = 04

यूनिट- 4

(क) 4 में से 2 श्लोकों की व्याख्या 2×5 = 10

(ख) 2 में से 1 टिप्पणी 1×4 = 04

References:

1. मेघदूत, व्याख्याकार – एम. आर. काले, मोतीलाल बनारसीदास
2. मेघदूत, व्याख्याकार – एस. के. डे., साहित्य अकादमी, दिल्ली
3. मेघदूतम्, व्याख्याकार - शिवराज शास्त्री, साहित्य भण्डार, सुभाष बाजार, मेरठ
4. शिशुपालवधम्, व्याख्याकार – डॉ. आद्या प्रसाद मिश्र, अक्षयवट प्रकाशन, इलाहाबाद
5. बुद्धचरितम् - व्याख्याकार श्री रामचन्द्र शास्त्री, चौखम्बा विद्याभवन, वाराणसी

Name of Program	**Master of Arts (Sanskrit)**	**Program Code**	
Name of the Course	भाषाविज्ञान	**Course Code**	25SKT201DS05OD
Maximum Marks	**100** **Theory – 70** **Assignments - 30**	**Credits**	**4**
		Time of Examinations	**3 Hours**

Course Learning Outcomes (CLO):
On successful completion of this course, the students will we able to:

CLO 1: Understand the fundamental principles of linguistics.

CLO 2: Understand the nature of Sanskrit language in light of modern philology.

CLO 3: Classify the various language families of the world.

CLO 4: Understand the gradual development of ancient languages such as Pali, Prakrit &Apabhransh..

Unit 1:
भाषा तथा भाषाविज्ञान का परिचय, विश्व की भाषाओं का वर्गीकरण(आकृतिमूलक, परिवारमूलक)

Unit 2:
भारोपीय परिवार का परिचय, इण्डो ईरानियन शाखा का परिचय, संस्कृत, पालि,प्राकृत एवं अपभ्रंश का उद्भव, विकास तथा तुलनात्मक अध्ययन

Unit 3:
ध्वनि एवं पद विज्ञान -उच्चारण अवयव, उनके कार्य, ध्वनियों का वर्गीकरण, ध्वनिपरिवर्तन के कारण तथा दिशा, ध्वनि नियम, पद का स्वरूप, पद तथाशब्द में अन्तर, पद के भेद, पद परिवर्तन के कारण तथा दिशाएं।

Unit 4:
वाक्य एवं अर्थ विज्ञान -वाक्य का लक्षण तथा भेद, वाक्य परिवर्तन के कारण तथा दिशाएं, अर्थपरिवर्तन के कारण तथा दिशाएं।

दिशा-निर्देश –
प्रथम प्रश्न अनिवार्य है, इसमें सम्पूर्ण पाठ्यक्रम में से 7 वस्तुनिष्ठ प्रश्न पूछे जाएंगे। 7×2 = 14

शेष प्रश्नों के निर्देश अधोलिखित हैं –

यूनिट– 1. **दो में एक प्रश्न अथवा चार में से दो टिप्पणियाँ** 2×7 = 14

यूनिट– 2. **दो में एक प्रश्न अथवा चार में से दो टिप्पणियाँ** 2×7 = 14

यूनिट– 3. **दो में एक प्रश्न अथवा चार में से दो टिप्पणियाँ** 2×7 = 14

यूनिट– 4. **दो में एक प्रश्न अथवा चार में से दो टिप्पणियाँ** 2×7 = 14

References:

1. भाषा विज्ञान एवं भाषाशास्त्र, डॉ. कपिलदेव द्विवेदी, विश्वविद्यालय प्रकाशन, वाराणसी
2. भाषाविज्ञान, डॉ. कर्णसिंह, साहित्य भण्डार, सुभाष बाजार, मेरठ
3. संस्कृत का भाषाशास्त्रीय अध्ययन, भोलाशंकर व्यास
4. पदपदार्थ समीक्षा, डॉ.बलदेवसिंह, कुरुक्षेत्र विश्वविद्यालय प्रकाशन

5- Amanual of Sanskrit phonetics by C.Uhlenbeck

6-Linguistic Introduction to Sanskrit by B.K. Ghosh.

7-An Introduction to comparative philology by P.D. Gune.

8-Sanskrit language, T. Burrow.

9-Language, itsnature,developmentandorigin,O.Jespers.

Semester 1st
Session: 2025-26

Name of Program	Master of Arts (Sanskrit)	Program Code	
Name of the Course	वैदिक कर्मानुष्ठान पद्धति	**Course Code**	25SKT201SE01OD
Maximum Marks	**100** **Theory – 70** **Assignments - 30**	**Credits**	**4**
		Time of Examinations	3 घण्टे

Course Learning Outcomes (CLO):
On successful completion of this course, the students will we able to:
CLO1: Understand the Nitya-Karma and their procedure.
CLO2: Understand the Naimitika-Karma and their procedure.
CLO3: Understand the Kamya-Karma and their procedure.
CLO4: Perform the ceremonies for various Vedic Parvas.

Unit 1:
नित्यकर्म (ब्रह्मयज्ञ, देवयज्ञ, पितृयज्ञ, अतिथियज्ञ तथा बलिवैश्वदेवयज्ञ)।

Unit 2:
नैमित्तिक कर्म (दर्शेष्टि, पौर्णमासेष्टि, जन्मदिन, विवाहवर्षगाँठ, पुण्यतिथि आदि)।

Unit 3:
काम्यकर्म (व्यापारारम्भ, वाग्दान, विद्यारम्भ, शालाकर्म, शिलान्यास, भूमिपूजन, उद्घाटन आदि)।

Unit 4:
वैदिक पर्व – नवसंवत्सरेष्टि, श्रावणी (रक्षाबंधन), विजयदशमी (दशहरा), शारदीय नवसस्येष्टि (दीपावली), वासन्तीनवसस्येष्टि (होलिका), दयानन्द दशमी आदि।

दिशा-निर्देश –
प्रथम प्रश्न अनिवार्य है, इसमें सम्पूर्ण पाठ्यक्रम में से 7 वस्तुनिष्ठ प्रश्न पूछे जाएंगे। 7×2 = 14
शेष प्रश्नों के निर्देश अधोलिखित हैं।
घटक – 1. चार में से दो टिप्पणियां 2×7 = 14
अथवा
दो में से एक प्रश्न 1×14 = 14
घटक - 2. चार में से दो टिप्पणियां 2×7 = 14
अथवा
दो में से एक प्रश्न 1×14 = 14
घटक – 3. चार में से दो टिप्पणियां 2×7 = 14
अथवा
दो में से एक प्रश्न 1×14 = 14
घटक – 4. चार में से दो टिप्पणियां 2×7 = 14
अथवा
दो में से एक प्रश्न 1×14 = 14

References:
1. पञ्चमहायज्ञविधि – स्वामी दयानन्द सरस्वती।
2. संस्कार विधि – स्वामी दयानन्द सरस्वती।
3. नित्यकर्मविधि – आचार्य राजवीर शास्त्री।
4. नित्यकर्मविधि – पं .युधिष्ठिर मीमांसक।
5. आर्य सत्संग प्रदीप – डॉ .सतीश प्रकाश।
6. वैदिक उपासना प्रदीप – डॉ .बलवीर आचार्य।

SEMESTER - II

Semester 2nd

Name of Program	Master of Arts (Sanskrit)	Program Code	
Name of the Course	ब्राह्मण एवम् उपनिषद्	Course Code	25SKT202DS01OD
Maximum Marks	100 Theory – 70 Assignments - 30	Credits	4
		Time of Examinations	3 Hours

Course Learning Outcomes (CLO):
On successful completion of this course, the students will we able to:

CLO 1: Differentiate the nature of vedic language with reference to the literature of Samhita, Brahman & Upanishad.

CLO 2: Understand the ancient Indian culture as depicted in the literature of Brahman.

CLO 3: Understand the rich heritage of upanishadic philosophy.

CLO 4: Understand the historical and cultural backdrop of these texts, their place within the broader vedic tradition and their contribution to the development of Indian philosophical thought.

CLO 5: Learn the concept, symbolism and cosmological ideas presented in these texts emphasizing their role in shaping early Hindu thought and practises.

Unit 1:
(क) ऐतरेय ब्राह्मण (33वां अध्याय)
(ख)शतपथ ब्राह्मण वाङ्गनस् आख्यान

Unit 2:
कठोपनिषद्

Unit 3:
मुण्डकोपनिषद्

Unit 4:
तैत्तिरीय उपनिषद्

दिशा-निर्देश –
प्रथम प्रश्न अनिवार्य है, इसमें सम्पूर्ण पाठ्यक्रम में से 7 वस्तुनिष्ठ प्रश्न पूछे जाएंगे। 7×2 = 14

शेष प्रश्नों के निर्देश अधोलिखित हैं –
यूनिट- 1.
(क) 2 में से 1 सन्दर्भ की व्याख्या 1×7 = 07
(ख)2 में से 1 सन्दर्भ की व्याख्या 1×7 = 07
यूनिट- 2.चार में से दो सन्दर्भ की व्याख्या 2×7 = 14
यूनिट- 3.चार में से दो सन्दर्भ की व्याख्या 2×7 = 14
यूनिट- 4.चार में से दो सन्दर्भ की व्याख्या 2×7 = 14

References:
1. ऐतरेय ब्राह्मण, सायण भाष्य सहित, सम्पादक एवं अनुवादक – डॉ. सुधाकर मालवीय, तारा प्रिंटिंग वर्क्स, वाराणसी।
2.शतपथ ब्राह्मण, नगर पब्लिशर्स, जवाहर नगर, दिल्ली।
3.एकादशोपनिषद्, सत्यव्रत सिद्धान्तालङ्कार, प्रकाशक, विजयकृष्ण लखनपाल, नई दिल्ली।

Semester 2nd

Name of Program	Master of Arts (Sanskrit)	Program Code	
Name of the Course	संस्कृत व्याकरण - 2	**Course Code**	25SKT202DS02OD
Maximum Marks	**100 Theory – 70 Assignments - 30**	**Credits**	**4**
		Time of Examinations	**3 Hours**

Course Learning Outcomes (CLO):
On successful completion of this course, the students will we able to:

CLO 1: Understand the concepts of Sanskrit grammar as outlined in Laghusiddhantkaumudi.

CLO 2: Understand the structural characteristics of Sanskrit language through Panini Grammar with special refrence to tignanta.

CLO 3: Understand the structural characteristics of Sanskrit language through Panini Grammar with special refrence to Kridanta.

CLO 4: Understand the structural characteristics of Sanskrit language through Panini Grammar with special refrence to Taddhit.

Unit 1:

लघुसिद्धान्तकौमुदी - तिङ्न्त प्रकरण -

भ्वादिगण - भू, अत्, षिध्, गद्, गुप्, क्षि, पा, ग्लै, श्रु, गम्, एध्, कम्, द्युत्, वृत्, यज्, वह्

Unit 2:

लघुसिद्धान्तकौमुदी - तिङ्न्त प्रकरण -

अदादिगण - हन्, अस्, इण्, शी, दुह्, लिह्, ब्रू

जुहोत्यादिगण - हा, दा णिजिर्

दिवादिगण - नृत्, शो, व्यध्, जन्

स्वादिगण - स्तृ

तुदादिगण - भ्रस्ज, मुच्

रुधादिगण - रुध्, तृह्, हिंस्

तनादिगण - तन्, कृ

क्रयादिगण - क्री, पू, ग्रह्

चुरादिगण - चुर्, कथ, गण्

Unit 3:

कृदन्त प्रकरण (पूर्वकृदन्त एवं उत्तरकृदन्त)

Unit 4:

लघुसिद्धान्तकौमुदी साधारण प्रत्यय, तद्धित प्रकरण - अपत्याधिकार, रक्ताद्यर्थक, चतुरर्थिक

दिशा-निर्देश -

प्रथम प्रश्न अनिवार्य है, इसमें सम्पूर्ण पाठ्यक्रम में से 7 वस्तुनिष्ठ प्रश्न पूछे जाएंगे। 7×2 = 14

शेष प्रश्नों के निर्देश अधोलिखित हैं –

यूनिट- 1

(क) 5 में से 2 रूपों की सिद्धि 2×4 = 08

(ख) 5 में से 3 सूत्रों की सोदाहरण व्याख्या 3×2 = 06

यूनिट- 2

(क) 5 में से 2 रूपों की सिद्धि 2×4 = 08

(ख) 5 में से 3 सूत्रों की सोदाहरण व्याख्या 3×2 = 06

यूनिट- 3	
(क) 5 में से 2 रूपों की सिद्धि	2×4 = 08
(ख) 5 में से 3 सूत्रों की सोदाहरण व्याख्या	3×2 = 06
यूनिट- 4	
(क) 5 में से 2 रूपों की सिद्धि	2×4 = 08
(ख) 5 में से 3 सूत्रों की सोदाहरण व्याख्या	3×2 = 06

References:

1. लघुसिद्धान्तकौमुदी, व्याख्याकार – धरानन्द शास्त्री
2. लघुसिद्धान्तकौमुदी, व्याख्याकार – महेशसिंह कुशवाहा
3. लघुसिद्धान्तकौमुदी, व्याख्याकार – ईश्वर सिंह
4. लघुसिद्धान्तकौमुदी, व्याख्याकार – भीमसेन शास्त्री
5. लघुसिद्धान्तकौमुदी, व्याख्याकार – डॉ. सत्यपाल सिंह

Name of Program	Master of Arts (Sanskrit)	Program Code	
Name of the Course	वेदान्त एवं मीमांसा	Course Code	25SKT202DS03OD
Maximum Marks	100 Theory – 70 Assignments - 30	Credits	4
		Time of Examinations	3 Hours

Course Learning Outcomes (CLO):

On successful completion of this course, the students will we able to:

CLO 1: Read and understand theVedantasar and Arthasangrha.

CLO 2: Describe the metaphysics of Vedanta philosophy.

CLO 3: Acquire the basic knowledge of Mimansa Philosophy.

CLO 4: Learn critical analysis and interpretation of philosophical texts.

CLO 5: Foster a deeper appreciation of ancient philosophical wisdom..

Unit 1:

सदानन्दकृत वेदान्तसार (अध्यारोप प्रकरण पर्यन्त)

Unit 2:

सदानन्दकृत वेदान्तसार (अपवाद प्रकरण से समाप्ति पर्यन्त)

Unit 3:

लौगाक्षिभास्करकृत अर्थसङ्ग्रह (आरम्भ से विधिभाग पर्यन्त)

Unit 4:

लौगाक्षिभास्करकृत अर्थसङ्ग्रह (मन्त्रभाग प्रकरण से समाप्ति पर्यन्त)

दिशा-निर्देश –

प्रथम प्रश्न अनिवार्य है, इसमें सम्पूर्ण पाठ्यक्रम में से 7 वस्तुनिष्ठ प्रश्न पूछे जाएंगे। 7×2 = 14

शेष प्रश्नों के निर्देश अधोलिखित हैं –

यूनिट- 1

(क) 4 में से 2 सन्दर्भों की व्याख्या 2×4 = 08

(ख) 2 में से एक सैद्धान्तिक प्रश्न 1×6 = 06

यूनिट- 2

(क) 4 में से 2 सन्दर्भों की व्याख्या 2×4 = 08

(ख) 2 में से एक सैद्धान्तिक प्रश्न 1×6 = 06

यूनिट- 3 चार में से दो टिप्पणी 2×7 = 14

यूनिट- 4 चार में से दो टिप्पणी 2×7 = 14

References:

1.वेदान्तसार, व्याख्या, सन्तनारायण श्रीवास्तव्य, सुदर्शन प्रकाशन, इलाहाबाद।

2.वेदान्तसार, सम्पा., व्याख्या, डॉ. आद्याप्रसाद मिश्र, अक्षयवट प्रकाशन, इलाहाबाद।

3.अर्थसङ्ग्रह, चौखम्बा सुरभारती प्रकाशन, वाराणसी।

<table>
<tr><td>Name of Program</td><td>Master of Arts (Sanskrit)</td><td>Program Code</td><td></td></tr>
<tr><td>Name of the Course</td><td>मृच्छकटिकम् एवं साहित्यदर्पण</td><td>Course Code</td><td>25SKT202DS04OD</td></tr>
<tr><td rowspan="2">Maximum Marks</td><td rowspan="2">100
Theory – 70
Assignments - 30</td><td>Credits</td><td>4</td></tr>
<tr><td>Time of Examinations</td><td>3 Hours</td></tr>
</table>

Course Learning Outcomes (CLO):

On successful completion of this course, the students will we able to:

CLO 1: Acquire the ability to examine critically the various aspects of Sanskrit dramas.

CLO 2: Understand the plot, themes, characterization and socio-cultural contexts of Mrichchhakatikam.

CLO 3: Understand the theories of Sanskrit poetics.

CLO 4: Understand, interprate and critically analyse the core principles of Sanskrit poetics based on Sahitya Darpan.

CLO 5: Understand the Rasa Nishpatti and Alankaras as presented in Sahityadarpan.

Unit 1:
शूद्रककृत मृच्छकटिकम् (1-5 अङ्क)

Unit 2:
शूद्रककृत मृच्छकटिकम् (6-10 अङ्क)

Unit 3:
साहित्यदर्पण (1-2 परिच्छेद)

Unit 4:
(क) साहित्यदर्पण (परिच्छेद 3.1 से 3.29)
(ख) साहित्यदर्पण परिच्छेद 10, अधोलिखित अलङ्कार –
अनुप्रास, यमक, वक्रोक्ति, श्लेष, उपमा, रूपक, अपह्नुति, उत्प्रेक्षा, अतिशयोक्ति,तुल्ययोगिता, दीपक, दृष्टान्त,निदर्शना, समासोक्ति, अर्थान्तरन्यास, विभावना, विशेषोक्ति, स्वभावोक्ति, संसृष्टि, सङ्कर।

दिशा-निर्देश –

प्रथम प्रश्न अनिवार्य है, इसमें सम्पूर्ण पाठ्यक्रम में से 7 वस्तुनिष्ठ प्रश्न पूछे जाएंगे। 7×2 = 14

शेष प्रश्नों के निर्देश अधोलिखित हैं –

यूनिट– 1
(क) 4 में से 2 श्लोकों की व्याख्या 2×4 = 08
(ख) 2 में से 1 प्रश्न 1×6 = 06

यूनिट– 2
(क) 4 में से 2 श्लोकों की व्याख्या 2×4 = 08
(ख) 2 में से 1 प्रश्न 1×6 = 06

यूनिट– 3
(क) 2 कारिकाओं में से 1 की व्याख्या 1×7 = 07
(ख) 2 में से 1 प्रश्न 1×7 = 07

यूनिट – 4
(क) 2 कारिकाओं में से 1 की व्याख्या 1×6 = 06
(ख) 4 में से 2 अलङ्कारों का लक्षण एवम् उदाहरण 2×4 = 08

References:
1.साहित्यदर्पण -शालिराम शास्त्री, मोतीलाल बनारसीदास, दिल्ली
2. मृच्छकटिकम् -श्रीनिवास शास्त्री, साहित्य भण्डार, सुभाष बाजार, मेरठ
3.मृच्छकटिकम् -रमाशंकर त्रिपाठी, मोतीलाल बनारसी दास, दिल्ली
4.मृच्छकटिकम्   -आचार्य जगदीश प्रसाद पाण्डेय एवं मदनगोपाल भारतीय बुक कॉरपोरेशन, दिल्ली।
5. मृच्छकटिकम् -शास्त्रीय, सामाजिक एवं राजनीतिक अध्ययन, डॉ. शालीग्राम द्विवेदी,विश्वविद्यालय प्रकाशन, वाराणसी।
6. साहित्यदर्पण डॉ. निरूपण विद्यालङ्कार, साहित्य भण्डार, सुभाष बाजार, मेरठ।

Name of Program	Master of Arts (Sanskrit)	Program Code	
Name of the Course	अनुवाद एवं निबन्ध	Course Code	25SKT202DS05OD
Maximum Marks	100 Theory – 70 Assignments - 30	Credits	4
		Time of Examinations	3 Hours

Course Learning Outcomes (CLO):
On successful completion of this course, the students will we able to:
CLO 1: Express their ideas and interpretations through well structured and coherent essays.
CLO 2: Gain proficiency in translating texts from Sanskrit to Hindi and vice versa.
CLO 3: Effectively convey the ideas in writing in Sanskrit.
CLO 4: Understand the linguistic intricacies as shown in Guptashuddhipradarshnam written by Ambikaduttvyasa.
CLO 5: Students will be able to understand the concepts of Karakas.

Unit 1:
सिद्धान्तकौमुदी – कारक प्रकरण

Unit 2:
(क) संस्कृत से हिन्दी अनुवाद
(ख) हिन्दी से संस्कृत अनुवाद

Unit 3:
अम्बिकादत्तव्यासकृत गुप्ताशुद्धिप्रदर्शनम्

Unit 4:
साहित्यिक निबन्ध

दिशा-निर्देश –
प्रथम प्रश्न अनिवार्य है, इसमें सम्पूर्ण पाठ्यक्रम में से 7 वस्तुनिष्ठ प्रश्न पूछे जाएंगे। 7×2 = 14

शेष प्रश्नों के निर्देश अधोलिखित हैं –

यूनिट- 1
(क) 6 में से 4 सूत्रों की सोदारहण व्याख्या 4×2 = 08
(ख) 5 में से 3 उदाहरणों में रेखाङ्कित पदों में ससूत्र विभक्ति निर्देश 3×2 = 06

यूनिट- 2
(क) 2 में से 1 अनुच्छेद का संस्कृत से हिन्दी में अनुवाद 1×7 = 07
(ख) 2 में से 1 अनुच्छेद का हिन्दी से संस्कृत में अनुवाद 1×7 = 07

यूनिट- 3 चार में से दो सन्दर्भों में अशुद्धि का संशोधन 2×7 = 14

यूनिट- 4 चार में से किसी एक विषय पर संस्कृत में निबन्ध 1×14 = 14

References:
1. कारकप्रकरणम् (सिद्धान्तकौमुदी), व्याख्याकार – श्री धरानन्द शास्त्री।
2. रचनानुवादकौमुदी, कपिलदेव द्विवेदी।
3. प्रौढरचनानुवादकौमुदी, कपिलदेव द्विवेदी।
4. संस्कृतनिबन्धशतकम्, कपिलदेव द्विवेदी।
5. अम्बिकादत्तव्यासकृत गुप्ताशुद्धिप्रदर्शनम्।

Semester 2nd

Name of Program	**Master of Arts (Sanskrit)**	**Program Code**	
Name of the Course	वैदिक संस्कार पद्धति	**Course Code**	25SKT202SE01OD
Maximum Marks	**100** **Theory – 70** **Assignments - 30**	**Credits**	**4**
		Time of Examinations	**3 घण्टे**

Course Learning Outcomes (CLO):

On successful completion of this course, the students will we able to:

CLO1: Understand the importance of Vedic Sacraments and rituals.

CLO2: Understand the importance and the procedure of Pre & Post birth Sacraments.

CLO3: Perform the sixteen sacraments explained in Sanskarvidhi.

Unit 1:

गर्भाधान, सीमन्तोन्नयन, जातकर्म, नामकरण, निष्क्रमण संस्कार।

Unit 2:

अन्नप्राशन, मुण्डन, कर्णवेध, उपनयन, वेदारम्भ।

Unit 3:

समावर्तन संस्कार तथा विवाह संस्कार।

Unit 4:

वानप्रस्थ, संन्यास तथा अन्त्येष्टि संस्कार।

दिशा-निर्देश -

प्रथम प्रश्न अनिवार्य है, इसमें सम्पूर्ण पाठ्यक्रम में से 7 वस्तुनिष्ठ प्रश्न पूछे जाएंगे। 7×2 = 14

शेष प्रश्नों के निर्देश अधोलिखित हैं।

घटक – 1. चार में से दो टिप्पणियां 2×7 = 14

अथवा

दो में से एक प्रश्न 1×14 = 14

घटक - 2. चार में से दो टिप्पणियां 2×7 = 14

अथवा

दो में से एक प्रश्न 1×14 = 14

घटक - 3. चार में से दो टिप्पणियां 2×7 = 14

अथवा

दो में से एक प्रश्न 1×14 = 14

घटक - 4. चार में से दो टिप्पणियां 2×7 = 14

अथवा

दो में से एक प्रश्न 1×14 = 14

References:

1. पञ्चमहायज्ञविधि – स्वामी दयानन्द सरस्वती।
2. संस्कार विधि – स्वामी दयानन्द सरस्वती।
3. नित्यकर्मविधि – आचार्य राजवीर शास्त्री।
4. संस्कार चन्द्रिका - डॉ. सत्यव्रत सिद्धान्तालङ्कार।

SEMESTER - III

Common paper

Semester 3rd

Name of Program	Master of Arts (Sanskrit)	Program Code	
Name of the Course	संस्कृति एवं धर्मशास्त्र	Course Code	26SKT203DS01OD
Maximum Marks	100 Theory – 70 Assignments - 30	Credits	4
		Time of Examinations	3 Hours

Course Learning Outcomes (CLO):

On successful completion of this course, the students will we able to:

CLO 1: Understand the subject matter of Manusmriti and Yajnavalkyamriti.

CLO 2: Understand the ancient Indian society as depicted in epics and Puranas..

CLO 3: Acquire the knowledge of ancient Indian system of law as narrated in Samraties and Kautilya Arthashastra.

Unit 1:

मनुस्मृति प्रथम अध्याय

Unit 2:

याज्ञवल्क्यस्मृति व्यवहाराध्याय (साधारण व्यवहारमात्रिक प्रकरण ,असाधारण व्यवहार मात्रिक प्रकरण, दाय-विभाग प्रकरण)

Unit 3:

कौटिल्य अर्थशास्त्र (प्रथम भाग – प्रथम अधिकरण)

Unit 4:

रामायण, महाभारत एवं पुराण :रामायण व महाभारत के संस्करण, अनुवर्ती साहित्य के प्रेरणा स्रोत के रूप में रामायण व महाभारत, पुराण की परिभाषा, पुराणों का सांस्कृतिक महत्त्व, पुराणों में सृष्टि विद्या

दिशा-निर्देश –

प्रथम प्रश्न अनिवार्य है, इसमें सम्पूर्ण पाठ्यक्रम में से 7 वस्तुनिष्ठ प्रश्न पूछे जाएंगे। $7 \times 2 = 14$

शेष प्रश्नों के निर्देश अधोलिखित हैं –

घटक – 1

(क) 4 में से 2 श्लोकों की व्याख्या $2 \times 5 = 10$

(ख) 2 में से 1 टिप्पणी $1 \times 4 = 04$

घटक – 2

(क) 4 में से 2 श्लोकों की व्याख्या $2 \times 5 = 10$

(ख) 2 में से 1 टिप्पणी $1 \times 4 = 04$

घटक – 3

(क) 4 में से 2 सन्दर्भों की व्याख्या $2 \times 5 = 10$

(ख) 2 में से 1 टिप्पणी $1 \times 4 = 04$

घटक – 4 दो में से एक समीक्षात्मक प्रश्न $1 \times 14 = 14$

References:

1. मनुस्मृति - सम्पादक, जयन्त कृष्ण हरिकृष्ण दवे, भारतीय विद्या भवन, मुम्बई।
2. मनुस्मृति – सम्पा., गङ्गानाथ झा, परिमल पब्लिकेशन, दिल्ली।
3. मनुस्मृति - व्याख्याकार, डॉ. सुरेन्द्र कुमार, आर्ष साहित्य प्रचार ट्रस्ट, दिल्ली।
4. याज्ञवल्क्य स्मृति - व्याख्याकार, गंगासागर राय।
5. याज्ञवल्क्य स्मतृति - उमेशचन्द्र पाण्डेय, चौखम्बा संस्कृत संस्थान।
6. Hindu Judicial system – S Vardachari.
7. Laws of Manu – G. Buhler.
8. Hindu Jurisprudence – P.K. Sen.

Group – C (Sahitya)

Semester 3rd

Name of Program	**Master of Arts (Sanskrit)**	**Program Code**	
Name of the Course	लौकिक संस्कृत साहित्य का इतिहास	**Course Code**	26SKT203DS10OD
Maximum Marks	**100 Theory – 70 Assignments - 30**	**Credits**	**4**
		Time of Examinations	**3 Hours**

Course Learning Outcomes (CLO):

On successful completion of this course, the students will we able to:

CLO 1: Understand the history of Sanskrit poetry from Ashwaghosh to Sri Harsh.

CLO 2: Understand the history of Sanskrit prose from Arya Shoor to Ambikadatta Vyas.

CLO 3: Understand the history of Sanskrit drama from Bhasa to Bhattanarayan.

Unit 1:

महाकाव्य (अश्वघोष से श्रीहर्ष तक)

Unit 2:

(क) गद्यकाव्य (आर्यशूर से अम्बिकादत्त व्यास तक)

(ख) कथा साहित्य (विष्णुशर्मा से सोमदेव तक)

Unit 3:

नाट्यसाहित्य (भास से भट्टनारायण तक)

Unit 4:

अन्य काव्यविधाएं – खण्ड काव्य, गीतिकाव्य, मुक्तक काव्य, स्तोत्र काव्य एवं चम्पूकाव्य (कालिदास से जगन्नाथ तक)

दिशा-निर्देश –

प्रथम प्रश्न अनिवार्य है, इसमें सम्पूर्ण पाठ्यक्रम में से 7 वस्तुनिष्ठ प्रश्न पूछे जाएंगे। 7×2 = 14

शेष प्रश्नों के निर्देश अधोलिखित हैं –

घटक – 1

दो में से एक समीक्षात्मक प्रश्न 1×14= 14

अथवा

चार में से दो टिप्पणी 2×7= 14

घटक – 2

दो में से एक समीक्षात्मक प्रश्न 1×14= 14

अथवा

चार में से दो टिप्पणी 2×7= 14

घटक – 3

दो में से एक समीक्षात्मक प्रश्न 1×14= 14

अथवा

चार में से दो टिप्पणी 2×7= 14

घटक – 4

दो में से एक समीक्षात्मक प्रश्न 1×14= 14

अथवा

चार में से दो टिप्पणी 2×7= 14

References:

1. संस्कृत शास्त्रों का इतिहास – वाचस्पति गैरोला
2. संस्कृत शास्त्रों का इतिहास - आचार्य बलदेव उपाध्याय
3. साहित्य का इतिहास – एस .के .डे.
4. History of Sanskrit Literature – M. Krishnammachari.

Name of Program	**Master of Arts (Sanskrit)**	**Program Code**	
Name of the Course	नाट्यशास्त्र	**Course Code**	26SKT203DS11OD
Maximum Marks	**100** **Theory – 70** **Assignments - 30**	**Credits**	**4**
		Time of Examinations	**3 Hours**

Course Learning Outcomes (CLO):
On successful completion of this course, the students will we able to:

CLO 1: Understand the theory of Sanskrit dramaturgy.

CLO 2: Describe various types of theatres according to Bharat Muni.

CLO 3: Understand the technical terms of dramaturgy according to Dhananjay.

CLO 4: Classify various types of dramas according to Dhananjay.

Unit 1:
नाट्यशास्त्रम् भरत (प्रथम अध्याय)

Unit 2:
नाट्यशास्त्रम् भरत (द्वितीय अध्याय)

Unit 3:
दशरूपकम् धनञ्जय (प्रथम प्रकाश)

Unit 4:
दशरूपकम् धनञ्जय (तृतीय प्रकाश)

दिशा-निर्देश –

प्रथम प्रश्न अनिवार्य है, इसमें सम्पूर्ण पाठ्यक्रम में से 7 वस्तुनिष्ठ प्रश्न पूछे जाएंगे। $7\times2 = 14$

शेष प्रश्नों के निर्देश अधोलिखित हैं –

घटक – 1
- (क) 4 में से 2 श्लोकों की व्याख्या $2\times4 = 08$
- (ख) 2 में से 1 प्रश्न $1\times6 = 06$

घटक – 2
- (क) 4 में से 2 श्लोकों की व्याख्या $2\times4 = 08$
- (ख) 2 में से 1 प्रश्न $1\times6 = 06$

घटक – 3
- (क) 4 में से 2 श्लोकों की व्याख्या $2\times4 = 08$
- (ख) 2 में से 1 प्रश्न $1\times6 = 06$

घटक – 4
- (क) 4 में से 2 श्लोकों की व्याख्या $2\times4 = 08$
- (ख) 2 में से 1 प्रश्न $1\times6 = 06$

References:

1. नाट्यशास्त्र – व्या. भोलानाथ व्यास
2. दशरूपक – व्या. श्रीनिवास शास्त्री
3. दशरूपक – व्या. भोलाशङ्कर व्यास, चैखम्बा विद्याभवन, वाराणसी

Name of Program	Master of Arts (Sanskrit)	Program Code	
Name of the Course	नाटक	Course Code	26SKT203DS12OD
Maximum Marks	100 Theory – 70 Assignments - 30	Credits	4
		Time of Examinations	3 Hours

Course Learning Outcomes (CLO):
On successful completion of this course, the students will we able to:
CLO 1: Study of Vishakhdutt and Bhavabhui as dramatists.
CLO 2: Read and understand of Mudrarakshasam.
CLO 3: Read and understand of Uttarramcharitam

Unit 1:
विशाखदत्तकृत मुद्राराक्षसम् (1-3 अङ्क)

Unit 2:
विशाखदत्तकृत मुद्राराक्षसम् (4-7 अङ्क)

Unit 3:
भवभूतिकृत उत्तररामचरितम् (1-3 अङ्क)

Unit 4:
भवभूतिकृत उत्तररामचरितम् (4-7 अङ्क)

दिशा-निर्देश –
प्रथम प्रश्न अनिवार्य है, इसमें सम्पूर्ण पाठ्यक्रम में से 7 वस्तुनिष्ठ प्रश्न पूछे जाएंगे। $7\times2 = 14$
शेष प्रश्नों के निर्देश अधोलिखित हैं –
घटक – 1 चार में से दो श्लोकों की व्याख्या $2\times7 = 14$
घटक – 2 चार में से दो श्लोकों की व्याख्या $2\times7 = 14$
घटक – 3
(क) 4 में से 2 श्लोकों की व्याख्या $2\times4 = 08$
(ख) 2 में से 1 प्रश्न $1\times6 = 06$
घटक – 4
(क) 4 में से 2 श्लोकों की व्याख्या $2\times4 = 08$
(ख) 2 में से 1 प्रश्न $1\times6 = 06$

References:
1. मुद्राराक्षसम् – व्या. डॉ. निरुपण विद्यालङ्कार, साहित्य भण्डार, सुभाष बाजार, मेरठ।
2. मुद्राराक्षसम् – व्या. पुष्पा गुप्ता, ईस्टर्न बुक लिंकर्स, दिल्ली।
3. उत्तररामचरितम् – व्या. तारिणीश झा।
4. उत्तररामचरितम् – व्या. डॉ. कृष्णलाल शुक्ल एवं डॉ. रमाकान्त शुक्ल।

Name of Program	**Master of Arts (Sanskrit)**	**Program Code**	
Name of the Course	काव्यशास्त्र – 1	**Course Code**	26SKT203DS13OD
Maximum Marks	**100 Theory – 70 Assignments - 30**	**Credits**	**4**
		Time of Examinations	**3 Hours**

Course Learning Outcomes (CLO):
On successful completion of this course, the students will we able to:
CLO 1: Describe the purpose of poetry.
CLO 2: Define and classify the various form of poetry.
CLO 3: Understand the theories of Kavyagun, Ras and Alankar.

Unit 1:
काव्यप्रकाश (उल्लास 1, 2)

Unit 2:
काव्यप्रकाश (उल्लास 3, 4 भावशबलता ध्वनि पर्यन्त)

Unit 3:
काव्यप्रकाश (उल्लास 5 गुणीभूत व्यङ्ग्य के भेद पर्यन्त, उल्लास 6)

Unit 4:
काव्यप्रकाश (उल्लास 7 काव्यदोष - सामान्य लक्षण, पददोष, वाक्यदोष एवं रसदोष, उल्लास 8)

दिशा-निर्देश -
प्रथम प्रश्न अनिवार्य है, इसमें सम्पूर्ण पाठ्यक्रम में से 7 वस्तुनिष्ठ प्रश्न पूछे जाएंगे। 7×2 = 14

शेष प्रश्नों के निर्देश अधोलिखित हैं -

घटक - 1
(क) 4 में से 2 सन्दर्भों की व्याख्या 2×4 = 08
(ख) 2 में से 1 प्रश्न 1×6 = 06

घटक - 2
(क) 4 में से 2 सन्दर्भों की व्याख्या 2×4 = 08
(ख) 2 में से 1 प्रश्न 1×6 = 06

घटक - 3
(क) 4 में से 2 सन्दर्भों की व्याख्या 2×4 = 08
(ख) 2 में से 1 प्रश्न 1×6 = 06

घटक - 4
(क) 4 में से 2 सन्दर्भों की व्याख्या 2×4 = 08
(ख) 2 में से 1 प्रश्न 1×6 = 06

References:
1. काव्यप्रकाश, सम्पादक श्रीनिवास शास्त्री, साहित्य भण्डार, सुभाष बाजार, मेरठ।
2. काव्यप्रकाश, व्या. आचार्य विश्वेश्वर, ज्ञानमण्डल लिमिटेड, वाराणसी।
3. संस्कृत शास्त्रों का इतिहास - आचार्य बलदेव उपाध्याय

Name of Program	Master of Arts (Sanskrit)	Program Code	
Name of the Course	ज्योतिष के आधारभूत तत्त्व	Course Code	26SKT203SE01OD
Maximum Marks	100 Theory – 70 Assignments - 30	Credits	4
		Time of Examinations	3 Hours

Course Learning Outcomes (CLO):
On successful completion of this course, the students will we able to:

CLO 1: Understand the importance of Jyotisha.

CLO 2: Understand the Rashi, Kala, Bhav etc.

CLO 3: Understand the Panchanga, Tithi, Nakshatra, Masa, Ritu, Samvat etc.

Unit 1:
ज्योतिष की परिभाषा, ज्योतिषशास्त्र का वेदाङ्गत्व, वेदाङ्गों में ज्योतिषशास्त्र की श्रेष्ठता, ज्योतिषशास्त्र का प्रयोजन, ज्योतिषशास्त्र की वैज्ञानिकता, ज्योतिष और मनोविज्ञान, ज्योतिष और कर्म, ज्योतिष और भाग्य, ज्योतिष और मानव जीवन

Unit 2:
ज्योतिष की प्रवृत्ति, ज्योतिषशास्त्र के प्रवर्तक, ज्योतिषशास्त्र के प्रमुख ग्रन्थ, ज्योतिषशास्त्र के भेद, ज्योतिषशास्त्र के स्कन्धों का सामान्य परिचय

Unit 3:
कालस्वरूप, कालभेद, मासों के नाम, अधिमास ,क्षयमास, ऋतु परिचय, अयनज्ञान, सृष्टि संवत्, विक्रम संवत्, शक संवत्

Unit 4:
पञ्चाङ्ग (तिथि, वार, नक्षत्र, योग एवं करण) परिचय एवं प्रायोगिक ज्ञान

दिशा-निर्देश –
प्रथम प्रश्न अनिवार्य है, इसमें सम्पूर्ण पाठ्यक्रम में से 7 वस्तुनिष्ठ प्रश्न पूछे जाएंगे। 7×2 = 14

शेष प्रश्नों के निर्देश अधोलिखित हैं –

घटक – 1. चार में से दो टिप्पणियां 2×7 = 14

अथवा

दो में से एक प्रश्न 1×14 = 14

घटक - 2. चार में से दो टिप्पणियां 2×7 = 14

अथवा

दो में से एक प्रश्न 1×14 = 14

घटक – 3. चार में से दो टिप्पणियां 2×7 = 14

अथवा

दो में से एक प्रश्न 1×14 = 14

घटक – 4. चार में से दो टिप्पणियां 2×7 = 14

अथवा

दो में से एक प्रश्न 1×14 = 14

References:

1. भारतीयज्योतिष – श्रीनेमीचन्द्र शास्त्री।
2. ज्योतिषतत्त्व – भाग –1 - 2प्रो .प्रियव्रत शर्मा।
3. मुहूर्तचिन्तामणि – चौखम्बा प्रकाशन।
4. ज्योतिष विवेक – आ .वेदव्रत मीमांसक।

SEMESTER - IV

Common Paper

Semester 4th

Name of Program	**Master of Arts (Sanskrit)**	**Program Code**	
Name of the Course	पालि एवं प्राकृत	**Course Code**	26SKT204DS01OD
Maximum Marks	**100 Theory – 70 Assignments - 30**	**Credits**	**4**
		Time of Examinations	**3 Hours**

Course Learning Outcomes (CLO):

On successful completion of this course, the students will we able to:

CLO 1: Understand the structure characteristics of Pali and Prakrit languages.

CLO 2: Read and understand the poetry and prose in Pali language.

CLO 3: Read and understand the poetry and prose in Prakrit language.

Unit 1:

पालि प्रवेशिका - डॉ. कमलेशचन्द्र जैन (व्याकरण भाग - 1)

वर्ण परिचय, सन्धि, कृत् प्रत्यय, तद्धित प्रत्यय, समास, स्त्री प्रत्यय, कारक, शब्दरूप, धातुरूप।

(क) शब्दरूप - बुद्ध, मुनि, अग्गि, भक्खु, राया, अत्ता, पिता, का या, इत्थी, माता।

(ख) धातुरूप - भू, गम, पठ, ठा, दिस्स, कर, दा, पुच्छ, कथ, सक्ख, (केवल लट्, लङ्, लृट्, लोट्, विधिलिङ्ग लकार)

Unit 2:

पालि प्रवेशिका - डॉ. कमलेशचन्द्र जैन (भाग - 2 साहित्य सङ्कलन)

Unit 3:

प्राकृत प्रवेशिका - डॉ. कमलेशचन्द्र जैन (व्याकरण भाग)

वर्ण परिचय, सन्धि, कृत् प्रत्यय, तद्धित प्रत्यय, समास, स्त्री प्रत्यय, कारक, शब्दरूप, धातुरूप।

(क) शब्दरूप - वच्छ, देव, गिरि, मुणी, तरु, गुरु, पिऊ, (पिअर), राय, माला, लता, बुद्धि, धेणु, सव्व, युष्मद्, अस्मद्, अप्पा (आत्मन्)।

(ख) धातुरूप - ही (भू), पच, अस्, कृ-कर, हस्, दिस्स, भण, गम, (गच्छ), पुच्छ, कथ, ठा, दह (केवल लट्, लङ्, लृट्, लोट्, विधिलिङ्ग लकार)

Unit 4:

प्राकृत प्रवेशिका - डॉ. कमलेशचन्द्र जैन (सङ्कलित साहित्य)

दिशा-निर्देश -

प्रथम प्रश्न अनिवार्य है, इसमें सम्पूर्ण पाठ्यक्रम में से 7 वस्तुनिष्ठ प्रश्न पूछे जाएंगे। 7×2 = 14

शेष प्रश्नों के निर्देश अधोलिखित हैं -

यूनिट - 1

(क) 4 में से 2 शब्दरूप 2×2 = 04

(ख) 4 में से 2 धातुरूप 2×2 = 04

(ग) 4 में से 2 पदों में सन्धि/समास प्रदर्शन 2×1 = 02

(घ) 6 में से 4 पदों में तद्धितप्रत्यय/कृत्प्रत्यय/स्त्रीप्रत्यय/लिङ्ग प्रदर्शन 4×1 = 04

यूनिट - 2

(क) 4 में से 2 गद्यांशों का संस्कृत अथवा हिन्दी में अनुवाद 2×4 = 08

(ख) 4 में से 2 पद्यांशों का संस्कृत अथवा हिन्दी में अनुवाद 2×3 = 06

यूनिट – 3	
(क) 4 में से 2 शब्दरूप	2×2 = 04
(ख) 4 में से 2 धातुरूप	2×2 = 04
(ग) 4 में से 2 पदों में सन्धि/समास प्रदर्शन	2×1 = 02
(घ) 6 में से 4 पदों में तद्धितप्रत्यय/कृत्प्रत्यय/स्त्रीप्रत्यय/लिङ्ग प्रदर्शन	4×1 = 04
यूनिट – 4	
(क) 4 में से 2 गद्यांशों का संस्कृत अथवा हिन्दी में अनुवाद	2×4 = 08
(ख) 4 में से 2 पद्यांशों का संस्कृत अथवा हिन्दी में अनुवाद	2×3 = 06

References:

1. पालिप्पदीपिका – वीरेन्द्र कुमार अलङ्कार
2. पालि प्रवेशिका – डॉ. कमलेश चन्द्र जैन
3. प्राकृत प्रवेशिका - डॉ. कमलेश चन्द्र जैन
4. पालि महाव्याकरण – भिक्षु जगदीश कश्यप
5. अभिनव प्राकृत व्याकरण – नेमिचन्द्र जैन।
6. हिस्ट्री ऑफ पालि लिटरेचर – एम. विण्टरनित्स।

Group – C (Sahitya)

Semester 4th

Name of Program	**Master of Arts (Sanskrit)**	**Program Code**	
Name of the Course	काव्यशास्त्र - 2	**Course Code**	26SKT204DS10OD
Maximum Marks	**100**	**Credits**	**4**
	Theory – 70 Assignments - 30	**Time of Examinations**	**3 Hours**

Course Learning Outcomes (CLO):

On successful completion of this course, the students will we able to:

CLO 1: Understand the various aspects of Sanskrit poetics according to Rajshekhar.

CLO 2: Describe the theory of 'Dhwani' according to Anandvardhana.

CLO 3: Understand the theories of according to Kuntak and Vamana.

Unit 1:

काव्यमीमांसा, राजशेखर (अध्याय 1-5)

Unit 2:

ध्वन्यालोक, आनन्दवर्धन (प्रथम उद्योत)

Unit 3:

वक्रोक्तिजीवितम् – कुन्तक (प्रथमोन्मेष 1-30 कारिका)

Unit 4:

काव्यालङ्कारसूत्र – वामन (प्रथम अधिकरण)

दिशा-निर्देश –

प्रथम प्रश्न अनिवार्य है, इसमें सम्पूर्ण पाठ्यक्रम में से 7 वस्तुनिष्ठ प्रश्न पूछे जाएंगे। 7×2 = 14

शेष प्रश्नों के निर्देश अधोलिखित हैं –

घटक –1

(क) 2 सन्दर्भों में से 1 की व्याख्या 1×6 = 06

(ख) 4 में से 2 सैद्धान्तिक प्रश्न अथवा टिप्पणियां 2×4 = 08

घटक – 2 चार में से दो सन्दर्भों की व्याख्या 2×7 = 14

घटक – 3 चार में से दो सन्दर्भों की व्याख्या 2×7 = 14

घटक – 4 छः में से चार सूत्रों की व्याख्या 4×3.5 = 14

References:

1. काव्यमीमांसा – राजशेखर
2. ध्वन्यालोक – श्री कृष्ण कुमार
3. ध्वन्यालोक – आचार्य विश्वेश्वर
4. वक्रोक्तिजीवितम् – कुन्तक
5. काव्यालङ्कार सूत्र - वामन

Semester 4th

Name of Program	**Master of Arts (Sanskrit)**	**Program Code**	
Name of the Course	संस्कृत महाकाव्य	**Course Code**	26SKT204DS11OD
Maximum Marks	**100 Theory – 70 Assignments - 30**	**Credits**	**4**
		Time of Examinations	**3 Hours**

Course Learning Outcomes (CLO):
On successful completion of this course, the students will we able to:

CLO 1: Read and understand Sanskrit poetry of Kalidas with reference to Raghuvanshum.

CLO 2: Read and understand the poetry of Bharavi.

CLO 3: Read and understand the poetry of Shreeharsha.

CLO 3: Understand the various aspects of Sanskrit poetry through the readings of poetry of famous poets of Sanskrit.

Unit 1:
रघुवंशम् - कालिदास (प्रथम एवं चतुर्दश सर्ग)

Unit 2:
किरातार्जुनीयम् - भारवि (प्रथम सर्ग)

Unit 3:
नैषधीयचरितम् - श्रीहर्ष (प्रथम सर्ग, 1-80 श्लोक)

Unit 4:
नैषधीयचरितम् - श्रीहर्ष (प्रथम सर्ग, 81-145 श्लोक)

दिशा-निर्देश -

प्रथम प्रश्न अनिवार्य है, इसमें सम्पूर्ण पाठ्यक्रम में से 7 वस्तुनिष्ठ प्रश्न पूछे जाएंगे। 7×2 = 14

शेष प्रश्नों के निर्देश अधोलिखित हैं।

घटक - 1
- (क) 4 में से 2 पद्यों की व्याख्या 2×4 = 08
- (ख) 2 में से 1 प्रश्न 1×6 = 06

घटक - 2
- (क) 4 में से 2 पद्यों की व्याख्या 2×4 = 08
- (ख) 2 में से 1 प्रश्न 1×6 = 06

घटक - 3
- (क) 4 में से 2 पद्यों की व्याख्या 2×4 = 08
- (ख) 2 में से 1 प्रश्न 1×6 = 06

घटक - 4
- (क) 4 में से 2 पद्यों की व्याख्या 2×4 = 08
- (ख) 2 में से 1 प्रश्न 1×6 = 06

References:
1. नैषधीयचरितम् - शेषकृष्ण शर्मा रेग्मी
2. रघुवंशम् - श्रीकृष्णमणि त्रिपाठी
3. किरातार्जुनीयम् - श्रीबदरीनारायण मिश्र

Semester 4th

Name of Program	Master of Arts (Sanskrit)	Program Code	
Name of the Course	संस्कृत गद्य	Course Code	26SKT204DS12OD
Maximum Marks	100 Theory – 70 Assignments - 30	Credits	4
		Time of Examinations	3 Hours

Course Learning Outcomes (CLO):

On successful completion of this course, the students will we able to:

CLO 1: Read and understand the characteristics of Sanskrit prose with special Reference to Harshacharitam, Dashakumaracharitam Vasavadutta and Shivrajavijyam.

CLO 2: Analyse the writing style of Sanskrit prose with special reference to Bana, Dandi, Subandhu and Ambikaduttvyas.

CLO 3: Understand the society and culture as depicted in Harshachritam and Dashakumaracharitam, Vasavadutta and Shivrajavijyam.

Unit 1:

हर्षचरितम् (पञ्चम उच्छवास)

Unit 2:

दशकुमारचरितम् (विश्रुतचरितम्)

Unit 3:

वासवदत्ता (प्रास्ताविक पद्य, चिन्तामणि वर्णन, कन्दर्पकेतुवर्णन, वासवदत्ताविषयक स्वप्नवर्णन)

Unit 4:

शिवराजविजयम् (प्रथम निःश्वास)

दिशा-निर्देश –

प्रथम प्रश्न अनिवार्य है, इसमें सम्पूर्ण पाठ्यक्रम में से 7 वस्तुनिष्ठ प्रश्न पूछे जाएंगे। $7\times2 = 14$

शेष प्रश्नों के निर्देश अधोलिखित हैं।

घटक – 1

(क) 4 में से 2 गद्यों की व्याख्या $2\times4 = 08$

(ख) 2 में से 1 प्रश्न $1\times6 = 06$

घटक – 2

(क) 4 में से 2 गद्यों की व्याख्या $2\times4 = 08$

(ख) 2 में से 1 प्रश्न $1\times6 = 06$

घटक – 3

(क) 4 में से 2 गद्यों की व्याख्या $2\times4 = 08$

(ख) 2 में से 1 प्रश्न $1\times6 = 06$

घटक – 4

(क) 4 में से 2 गद्यों की व्याख्या $2\times4 = 08$

(ख) 2 में से 1 प्रश्न $1\times6 = 06$

References:

1. हर्षचरितम् – बाणभट्ट, चौखम्बा विद्याभवन, वाराणसी।
2. दशकुमारचरितम् – दण्डी, चौखम्बा विद्याभवन, वाराणसी।
3. वासवदत्ता, सुबन्धु, चौखम्बा विद्याभवन, वाराणसी।

Name of Program	**Master of Arts (Sanskrit)**	**Program Code**	
Name of the Course	आधुनिक संस्कृत साहित्य	**Course Code**	26SKT204DS13OD
Maximum Marks	**100**	**Credits**	**4**
	Theory – 70 **Assignments - 30**	**Time of Examinations**	**3 Hours**

Course Learning Outcomes (CLO):
On successful completion of this course, the students will we able to:

CLO 1: Understand the characteristics of modern Sanskrit literature.

CLO 2: Analyse the writing style of modern Sanskrit poetry with special reference to Dayanandadigvijyam, Shriswamivivekanandacharitam.

CLO 3: Understand the characteristics of modern Sanskrit novel with special reference to Seema written by Dr. Ramkaran Sharma.

Unit 1:
मेधाव्रताचार्यकृत दयानन्द दिग्विजयम् (1-2 सर्ग)

Unit 2:
पं. त्र्यम्बकशर्माकृत श्रीस्वामीविवेकानन्दचरितम् (अष्टम सर्ग)

Unit 3:
सीमा (उपन्यास) 1-2 परिच्छेद

Unit 4:
सीमा (उपन्यास) 3-4 परिच्छेद

दिशा-निर्देश –

प्रथम प्रश्न अनिवार्य है, इसमें सम्पूर्ण पाठ्यक्रम में से 7 वस्तुनिष्ठ प्रश्न पूछे जाएंगे। $7\times2 = 14$

शेष प्रश्नों के निर्देश अधोलिखित हैं –

घटक – 1
- (क) 4 में से 2 श्लोकों की व्याख्या $2\times4 = 08$
- (ख) 2 में से 1 प्रश्न $1\times6 = 06$

घटक – 2
- (क) 4 में से 2 श्लोकों की व्याख्या $2\times4 = 08$
- (ख) 2 में से 1 प्रश्न $1\times6 = 06$

घटक – 3
- (क) 4 में से 2 श्लोकों की व्याख्या $2\times4 = 08$
- (ख) 2 में से 1 प्रश्न $1\times6 = 06$

घटक – 4
- (क) 4 में से 2 श्लोकों की व्याख्या $2\times4 = 08$
- (ख) 2 में से 1 प्रश्न $1\times6 = 06$

References:
1. दयानन्द दिग्विजयम् – मेधाव्रताचार्य, चौखम्बा ऑरयण्टालिया, दिल्ली।
2. श्रीस्वामीविवेकानन्दचरित महाकाव्य – पं. त्र्यम्बकशर्मा, भण्डारकर चौखम्बा संस्कृत सिरीज ऑफिस, वाराणसी।
3. सीमा, डॉ. रामकरण शर्मा, नाग पब्लिशर्स, दिल्ली।

Semester 4th

Name of Program	Master of Arts (Sanskrit)	Program Code	
Name of the Course	आयुर्वेद के आधारभूत तत्त्व	Course Code	26SKT204SE01OD
Maximum Marks	100 Theory – 70 Assignments - 30	Credits	4
		Time of Examinations	3 Hours

Course Learning Outcomes (CLO):

On successful completion of this course, the students will we able to:

CLO 1: Read and understand the subject matter of Jaiminiyanyayamalavistar.

CLO 2: Understand Dharma according to the philosophy of Poorva Mimansa.

CLO 3: Acquire the knowledge of various rituals through the text of Jaiminiyanyayamalavistar.

Unit 1:

आयुर्वेद उद्गम, अर्थ, परिभाषा, प्रयोजन, इतिहास एवं रोग निदान तथा परीक्षण के प्रमुख सिद्धान्त

Unit 2:

दोष – अर्थ, परिभाषा, प्रकार कार्य एवं विकृति के परिणाम। धातु – अर्थ, परिभाषा, प्रकार कार्य एवं विकृति के परिणाम। उपधातु – अर्थ, परिभाषा, प्रकार कार्य एवं विकृति के परिणाम। मल – अर्थ, परिभाषा, प्रकार कार्य एवं विकृति के परिणाम। स्रोतस – अर्थ, परिभाषा, प्रकार कार्य एवं विकृति के परिणाम। इन्द्रिय – अर्थ, परिभाषा, प्रकार कार्य एवं विकृति के परिणाम। प्राण – अर्थ, परिभाषा, प्रकार कार्य एवं विकृति के परिणाम। प्राणायाम – अर्थ, परिभाषा, प्रकार कार्य एवं विकृति के परिणाम। प्रकृति – अर्थ, परिभाषा, प्रकार कार्य एवं विकृति के परिणाम। देह-प्रकृति – अर्थ, परिभाषा, प्रकार, कार्य एवं देह-प्रकृति के परिणाम।

Unit 3:

प्रमुख जड़ी-बूटियों का सामान्य परिचय, गुणधर्म, स्वास्थ्य संवर्द्धनात्मक एवं चिकित्सकीय प्रयोग – आक, अजवाइन, आंवला, अपामार्ग, अश्वगंधा, तुलसी, गिलोय, ब्राह्मी, धनिया, अदरक, इलायची, हरड़, नीम, हल्दी व ग्वारपाठा।

Unit 4:

पंचकर्म – पूर्वकर्म, प्रधानकर्म और पश्चात् कर्म – अर्थ, परिभाषा, प्रकार, प्रयोजन, लाभ, हानि, सावधानियां एवं स्वास्थ्य संवर्धनात्मक एवं चिकित्सकीय प्रयोग

दिशा-निर्देश –

प्रथम प्रश्न अनिवार्य है, इसमें सम्पूर्ण पाठ्यक्रम में से 7 वस्तुनिष्ठ प्रश्न पूछे जाएंगे। 7×2 = 14

शेष प्रश्नों के निर्देश अधोलिखित हैं।

घटक – 1. चार में से दो टिप्पणियां 2×7 = 14

अथवा

दो में से एक प्रश्न 1×14 = 14

घटक - 2. चार में से दो टिप्पणियां 2×7 = 14

अथवा

दो में से एक प्रश्न 1×14 = 14

घटक – 3. चार में से दो टिप्पणियां 2×7 = 14

अथवा

दो में से एक प्रश्न 1×14 = 14

घटक – 4. चार में से दो टिप्पणियां 2×7 = 14

अथवा

दो में से एक प्रश्न 1×14 = 14

References:
1. आयुर्वेद सिद्धान्त रहस्य - आचार्य बालकृष्ण
2. आयुर्वेद जड़ी-बूटी रहस्य - आचार्य बालकृष्ण
3. आयुर्वेदीय शरीर-क्रिया विज्ञान - शिवकुमार गौड़
4. स्वस्थवृत्त - डॉ. रामहर्ष सिंह
5. Basic principles of Ayurveda – K. Lakshmipati.